जय जय दूधाखेड़ी माँ | दूधाखेड़ी मां के मंदिर | By Sanjay Chauhan |

दूधाखेड़ी मां के मंदिर
पहली बार मैं आया हूं
रंग रंगीली चुनर मां को
अर्पण करने आया हूं

मैंने सुना है पांच देवियां
मंदिर में विराजी हैं
नवदुर्गा, चामुंडा, ज्वाला
वैष्णवी और महाकाली हैं
गौ माता की विनती सुन कर
मां ने यहां पर वास किया
पाप का नाश किया मइया ने
दैत्यो का संहार किया
नतमस्तक हो दूधा मां के
दर्शन करने आया हूं
रंग रंगीली चुनर मां को
अर्पण करने आया हूं

दूधाखेड़ी मां के मंदिर
पहली बार मैं आया हूं
रंग रंगीली चुनर मां को
अर्पण करने आया हूं

लाल ध्वजा लहरात देख कर
मन में उमंगें जागी हैं
रुमझुम कर मां की महिमा
गाने की इच्छा लगी है
सुंदर भवन को देख के अपने
आप को ऐसे भूल गया
दर्शन पा कर दूधा मां के
चरणों में मैं चूम गया
हाथ जोड़कर दूधा मां से
विनती करने आया हूं
रंग रंगीली चुनर मां को
अर्पण करने आया हूं

दूधाखेड़ी मां के मंदिर
पहली बार मैं आया हूं
रंग रंगीली चुनर मां को
अर्पण करने आया हूं

पवन बुझेरे आंगन मां का
सरसर बहती जाती है
धूप छांव मां के मंदिर पर
हर पल आती जाती है
उमड़ उमड़ कर बादल मां के
मंदिर पर छा जाते हैं

रिमझिम बरखा करके मां के
आंगन को धो जाते हैं
ऐसा नज़ारा देखने मां के
चौखट में भी आया हूं
रंग रंगीली चुनर मां को
अर्पण करने आया हूं

दूधाखेड़ी मां के मंदिर
पहली बार मैं आया हूं
रंग रंगीली चुनर मां को
अर्पण करने आया हूं

जिसको बुलावे माता रानी
किस्मत वाला होता है
जिसकी रक्षा मां करती
उसको दुख दर्द न होता है
गले लगाकर गोद बिठाकर
लाड़ लड़ाती है माता
मां बेटे का पावन रिश्ता
खूब निभाती है माता
मां के आंचल की छांव में
मैं भी रहने आया हूं
रंग रंगीली चुनर मां को
अर्पण करने आया हूं

दूधाखेड़ी मां के मंदिर
पहली बार मैं आया हूं
रंग रंगीली चुनर मां को
अर्पण करने आया हूं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%a6%e0%a5%82%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%96%e0%a5%87%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%a6%e0%a5%82%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%96/